









# रामगढ़/चत्ता

## राहुल ने कोयला लेकर जनेवालों का बांटा दर्द

राहुल गांधी की यात्रा का स्कूली बच्चों ने गुलाब का फूल लेकर किया स्वागत

आजाद सिपाही संचादिता

रामगढ़। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा दूसरे दिन भी रामगढ़ जिले में निकली। सोमवार की सुबह शहर के बाजार टांडि स्थित सिंहो-कानून मैदान से राहुल गांधी अपने काफिले के साथ निकले और चट्ठी बाजार होते हुए गांधी चौक पहुंचे। यहाँ स्कूली बच्चों ने गुलाब का फूल लेकर उनकी यात्रा का स्वागत किया। बच्चों को देखकर राहुल गांधी भी मंत्र मुक्त हो गये। वे न सिर्फ गांधी से उतरे बल्कि अपनी जीप के बोनट पर बैठकर बच्चों के साथ तस्वीर खिंचवायी। बच्चों से बात करते-करते राहुल गांधी भी बच्चे बन गये। एक बच्चे ने तो अपने स्कैटर का बाजू उठाकर अपना डोले शोले भी उन्हें दिखाये। इस दौरान बच्चे खूब हमें और राहुल गांधी ने भी इस मौके का खूब फायदा उठाया। कुछ स्कूली बच्चियां परंपरागत परिधन में नृत्य भी प्रस्तुत कर रही थीं। राहुल गांधी ने उन बच्चों का भी हीमलाला बढ़ाया। गांधी चौक से सुभाष चौक की तरफ जब राहुल गांधी का काफिला बढ़ा, तो वह खुद खुली जीप पर खड़े होकर लोगों का अभियान कर रहे थे।

फोटो खिंचवाने के लिए यात्रा और बच्चों की लोगी भीड़ - राहुल गांधी के साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए युवाओं और बच्चों की भीड़ लगी रही। थाना चौक पर पहले से ही स्कूली बच्चे और युवा उनका इंतजार कर रहे थे। उनका काफिला जब वहाँ रुका, तो आम जनों ने उन्हें धेर लिया। राहुल गांधी इस दौरान सबका अभियान रखीकर कर रहे थे। कुछ छोटे तक राहुल गांधी ने उसके बाद वे बोनट पर बैठ गये। इस दौरान कई लोगों ने उनके साथ अपनी



राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर रामगढ़ विधायक ने उठाया सवाल



राहुल गांधी ने भारत के स्वतंत्रता सेनानियों का किया आगमन : सुनीता गैकवाड़ी

रामगढ़ (आजाद सिपाही)।

आजसू पार्टी एनडीए गठबंधन के विधायक सुनिता चौधरी ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर सवाल उठाया है। कहा कि कांग्रेस के राहुल गांधी ने भारत के स्वतंत्रता सेनानियों का रामगढ़ में अपमान किया है। यह भारत जोड़ो न्याय यात्रा वर्षीय चौक से सुभाष चौक की तरफ जब राहुल गांधी का काफिला बढ़ा, तो वह खुद खुली जीप पर खड़े होकर लोगों का अभियान कर रहे थे।

फोटो खिंचवाने के लिए यात्रा और बच्चों की लोगी भीड़ - राहुल गांधी के साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए युवाओं और बच्चों की भीड़ लगी रही। थाना चौक पर पहले से ही स्कूली बच्चे और युवा उनका इंतजार कर रहे थे। उनका काफिला जब वहाँ रुका, तो आम जनों ने उन्हें धेर लिया। राहुल गांधी इस दौरान सबका अभियान रखीकर कर रहे थे। कुछ छोटे तक राहुल गांधी ने उसके बाद वे बोनट पर बैठ गये। इस दौरान कई लोगों ने उनके साथ अपनी

की प्रतिमा पर पूष्प अर्पित की और ना ही माला माल्यार्पण किया। इतना ही नहीं वो अपने काफिले की गांधी से उतरना भी उत्तिर नहीं समझा। राहुल गांधी ने रामगढ़ की पावन धरती को अपमान करने का काम किया है। केवल रामगढ़ का ही नहीं पूरे भारत देश का अपमान है। महापुरुषों के अपमान से रामगढ़ की धाराखंड गुजराने के क्रम में वासी ने द्वारा विरुद्ध पूर्ण सरदार ललम्भाई पटेल की प्रतिमा स्थापित में कांग्रेसियों के द्वारा ही विरोध किया गया था। हम धन्यवाद देते हैं। रामगढ़ की धरती है का नासा दी गयी। लैकिन राहुल गांधी ने रामगढ़ गुजराने के क्रम में वासी ने द्वारा विरुद्ध के प्रख्यात सिंह पीठ माझिन मस्तिष्क के रसरात्रि दरबार में जाकर पूर्ण सरदार ललम्भाई पटेल की प्रतिमा स्थापित है। राहुल गांधी की धरती का जिनता का जिन्होंने पटेल की प्रतिमा, महात्मा गांधी की प्रतिमा, महात्मा गांधी के समाधी स्थल, बाबा भीम राम डॉवर अवेंडर्सन, रामगढ़ से हम्बुरग स्थल सुभाष चंद्र बोस की आदमकद प्रतिमा और ना ही वीर कुंवर सिंह

स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की। उन्होंने कहा कि जारखंड की माटी ने हमेसा वीर सपूत पैदा किये हैं। उन दोनों वीर योद्धाओं ने लोगों के अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ा। देश के लिए अपनी जान हस्ते हस्ते कुर्बान करने वाले ऐसे वीरों को नमन। राहुल ने कोयला मजदूरों का बांटा दर्द : भारत जोड़ो न्याय

वार्षिकों में दुहरायी गलती:

## रामगढ़ में राहुल गांधी ने नहीं पहनायी बापू और नेता जी को माला, शुश्र की भारत जोड़ो न्याय यात्रा

राहुल गांधी की ओर निहारते रह गये बापू और नेता जी, नहीं हुई नजर इनायत

बीरु कुमार

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का भारत जोड़ो न्याय यात्रा गांधी चौक से शुरू हुई। पूरे मामले में जो हुआ था कई सावल खड़ा कर दिया है। जिस स्थान से राहुल गांधी की यात्रा शुरूआत हुई। उस चौक से नाम है गांधी चौक। वानी कि रास्त प्रतिमा लगी है। यानी कि रास्त प्रतिमा माला पहनाना भी नहीं हो सकता। यानी कि रास्त प्रतिमा लगी है। यानी कि रास्त प्रतिमा लगी है।

निहारते रहे बापू नहीं रुके राहुल गांधी का धरती को अपमान करने का काम किया है। केवल रामगढ़ का ही नहीं पूरे भारत देश का अपमान है। महापुरुषों के अपमान से रामगढ़ की जागरूकता का प्रभाव नहीं प्रसिद्ध होता। यानी कि रास्त प्रतिमा स्थापित है। कांग्रेसियों के द्वारा ही विरोध किया गया था। हम धन्यवाद देते हैं। रामगढ़ की धरती का जिन्होंने पटेल की प्रतिमा, महात्मा गांधी के समाधी स्थल, बाबा भीम राम डॉवर अवेंडर्सन, रामगढ़ पटेल की प्रतिमा पटेल चौक पर स्थापित हो पायी थी।

स्थानीय स्तर पर हुई चूक तो होनी चाहिए कार्रवाई: अगर निहारते रहे थे। लैकिन राहुल गांधी का पावन धरती को अपमान करने का काम किया है।

रामगढ़ की धरती है का नासा दी गयी। लैकिन राहुल गांधी ने रामगढ़ गुजराने के क्रम में वासी ने द्वारा विरुद्ध के प्रख्यात सिंह पीठ माझिन मस्तिष्क के रसरात्रि दरबार में जाकर पूर्ण सरदार ललम्भाई पटेल की प्रतिमा स्थापित है।

राहुल गांधी की धरती का जिन्होंने



गांधी सच में देश को विभूतियों को अपमान कर आगे बढ़ रहे हैं। उनके उस रवैये से रामगढ़ के लैकिन राहुल गांधी की धरती को विरुद्ध कर रहे हैं। चर्चा है कि जनकी कंधे पकड़कर पूरा कांग्रेस राजनीति में देश स्तर पर बड़ी पार्टी बनी है। उन्हें आज भूल जा रही है। खेर गलती किसी की भी हो। खिंचाई तो राहुल गांधी का ही हो रही है।

में लगातार आदोलन भी कर रहे हैं।

न्याय यात्रा में श्रद्धांजलि प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, आवास बोर्ड के अध्यक्ष सज्जयलाल पासवान, पूर्व विधायक ममता देवी, प्रदेश महासचिव बलजीत बेदी, जिलाध्यक्ष मुन्ना पासवान सहित इनकी नीति व कार्यकारी परामर्शदारों के हाथों में देश के लिए आदेश देते हुए।

में लगातार आदोलन भी कर रहे हैं।

सोमवार को रामगढ़ से रांची जाने के क्रम में चुटपालू घाटी में कोयला ढो रहे मजदूरों के दर्द पर राहुल गांधी ने चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि ध्रुदांजलि अर्पित की माटी ने हमेसा वीर योद्धाओं ने लोगों के अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ा। देश के लिए अपनी जान हस्ते हस्ते कुर्बान करने वाले ऐसे वीरों को नमन।

सोमवार को रामगढ़ से रांची जाने के क्रम में चुटपालू घाटी में कोयला ढो रहे मजदूरों को दर्द पर राहुल गांधी ने चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि ध्रुदांजलि अर्पित की माटी ने युवाओं को रोजगार के लिए अपनी श्रद्धा प्रकट की है। उन दोनों वीर योद्धाओं ने लोगों के अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ा। देश के लिए अपनी जान हस्ते हस्ते कुर्बान करने वाले देवी योद्धाओं के हाथों में देश के लिए अपनी जान देती है। देश के सारे समस्तों को निजी उदाहरणीयों के हाथों में देश के लिए अपनी जान देती है। इस व्यवस्था के लिए सोमवार को राहुल गांधी ने उनकी नीति व कार्यकारी परामर्शदारों के हाथों में देश के लिए अपनी जान देती है।

बांडी निर्माण कार्य की जांच के लिए पत्र बरकाकाना (आजाद सिपाही)। सीसीएल उच्च विद्यालय न्या नगर बरकाकाना विद्यालय प्रबंधन और विद्यालय विद्यार्थी की जांच की जाएगी। शिक्षायत एवं क्रीड़ा ने जीवांग ने विद्यार्थी की जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि ध्रुदांजलि अर्पित की माटी ने युवाओं को रोजगार के लिए अपनी जान हस्ते हस्ते कुर्बान करने वाले देवी योद्धाओं के हाथों में देश के लिए अपनी जान देती है। इस व्यवस्था के लिए अपनी जान देती है। इस व













